पानी के सैंपल में मिले जानलेवा बैक्टीरिया, मल-मूत्र वाला पानी पी रहा मप्र !

इंदौर ही नहीं जबलपुर में भी नलों से आ रहा दूषित पानी

जबलपुर

इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में सरकारी पानी की सप्लाई से फैली गंभीर बीमारी ने 16 लोगों की जान ले ली है। इस हादसे के बाद से पूरे शहर में मातम का माहौल है। नर्मदा लाइन से सप्लाई हो रहे पानी की जांच में मल-मूत्र जनित पेसाब और जानलेवा बैक्टीरिया मिलने की पुष्टि हुई है। पड़ताल में सामने आया है कि केवल इंदौर ही नहीं बल्कि भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन सहित प्रदेश के लगभग हर शहर में लोग मल-मूत्र मिला हुआ दूषित पानी पी रहे हैं।

जबलपुर में पेयजल की लाइनें 50 वर्ष पुरानी

जबलपुर नगर निगम की बदहाल पेयजल आपूर्ति व्यवस्था ने शहर के नागरिकों की चिंता भी बढ़ा दी है। क्योंकि शहर में करीब 80 प्रतिशत पेयजल आपूर्ति लाइन नाला-नालियों के नीचे से होकर गुजर रही हैं। जिससे जबलपुर में भी इंदौर जैसे हालात बनने की संभावनाओं को बल मिल रहा है। पानी की डिस्ट्रीब्यूशन लाइन की उम्र वैसे तो 20 साल होती है परंतु अधिकांश लाइनों को 40 से 50 वर्ष तक हो चुके हैं। धनवंतरि नगर, शांतिनगर, इंदिरा मार्केट, रद्दीचौकी, अधारताल, कांचघर, सिद्धबाबा, गौतम जी मढिय़ा गढ़ा सहित अधिकांश क्षेत्रों में नाली-नालियों से गुजर रही जलवितरण लाइन में लीकेज होने शिकायतें आती रहती हैं। सालों से लगातार नाली-नालियों के क्षारीय पानी, धूल, मिट्टी के संपर्क में रहने से पाइपलाइनों में क्षरण चुका है। जिससे जल वितरण पाइपलाइन में लीकेज के कारण गंदगी घुल रही है। यही कारण है कि बरसात में गंदे, बदबूदार पानी की शिकायतें भी आ चुकी है।

नागरिकों का गुस्सा

धनवंतरि नगर, शांतिनगर, इंदिरा मार्केट, रद्दीचौकी और अधारताल जैसे क्षेत्रों के निवासी नलों से आने वाले गंदे पानी को लेकर भड़के हुए हैं। ₹हम बच्चों और बुजुर्गों के लिए साफ पानी मांग रहे हैं, लेकिन नगर निगम मूकदर्शक बना हुआ है। कई बार शिकायत की, पर हर बार सिर्फ आश्वासन मिला,₹ एक स्थानीय महिला ने बताया।

नगर निगम की लापरवाही

विशेषज्ञों और नागरिकों का आरोप है कि नगर निगम ने लंबे समय तक पुरानी और क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को बदलने में गंभीर लापरवाही बरती है। शहर की लगभग 80% पाइपलाइनें 40-50 साल पुरानी हैं और अधिकांश नालियों के नीचे से गुजर रही हैं। लीकेज के कारण नाले का पानी घरों तक पहुंच रहा है।

जांच और समाधान

नगर निगम ने कहा है कि पानी के सैंपल की जांच चल रही है और विस्तृत रिपोर्ट आने में 1-2 दिन का समय लगेगा। हालांकि नागरिकों का भरोसा कम हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि बिना तत्काल कदम उठाए, यह संकट और बढ़ सकता है और बीमारियों का फैलाव तेज हो सकता है।

नागरिकों की मांग

स्थानीय लोग जोर देकर कह रहे हैं कि नगर निगम तुरंत पुरानी पाइपलाइन बदलें, पानी की नियमित जांच कराए और दूषित पानी के कारण होने वाले स्वास्थ्य संकट को रोके।

कलेक्टर ने किया स्वाधार गृह और वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

जबलपुर। बेघर, बेसहारा और कठिन हालातों का सामना कर रही महिलाओं को आश्रय, चिकित्सा और कानूनी सहायता प्रदान करने तथा व्यवसायिक प्रशिक्षण देकर उनका आर्थिक पुनर्वास करने के उद्देश्य से संचालित किये जा रहे स्वाधार गृह का कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने रविवार की सुबह निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान श्री सिंह ने स्वाधार गृह में निवासरत महिलाओं से चर्चा की तथा उन्हें यहाँ भोजन सहित यहाँ उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बढ़ती ठंड को देखते हुये स्वाधार गृह में समुचित व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिये तथा साफ-सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुये इस ओर और अधिक ध्यान दिये जाने की जरूरत बताई। इंदिरा मार्केट के पीछे जेल रोड स्थित स्वाधार गृह का संचालन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एनजीओ के माध्यम से किया जा रहा है। वर्तमान में स्वाधार गृह में करीब 45 महिलाएं निवास कर रही हैं।

कलेक्टर ने स्वाधार गृह के निरीक्षण के बाद हिंसा से पीड़ित महिलाओं को अस्थाई तौर पर सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने घमापुर में संचालित किये जा रहे वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण भी किया। उन्होंने सेंटर में पीड़ित महिलाओं के प्रकरणों की समीक्षा की तथा केंद्र में संधारित सीसीटीव्ही फुटेज को स्वयं चेक किया। श्री सिंह ने सेंटर के माध्यम से पीड़ित महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही कानूनी, पुलिस एवं चिकित्सा एवं परामर्श सेवाओं की जानकारी भी ली।

स्वाधार गृह और वन स्टॉप सेंटर के कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति परस्ते तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह भी मौजूद थे।

लगातार छठवें रविवार लगा जैविक हाट

जबलपुर

जैविक उत्पादों के प्रति आमजनों में बढ़ती जागरूकता व रूचि को देखते हुए जिला प्रशासन एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से कृषि उपज मंडी जबलपुर परिसर में लगातार छठवें रविवार को साप्ताहिक जैविक हाट का सफल आयोजन किया गया।

जैविक हाट में 25 दुकानों के माध्यम से किसानों द्वारा विभिन्न प्रकार के जैविक उत्पाद रखे गए। जैविक हाट को नागरिकों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। जिससे यह निरंतर लोकप्रिय होता जा रहा है। बढ़ती मांग को देखते हुए नए किसान जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे है। जैविक हाट में मझौली के किसान हीरालाल कुशवाहा की गोभी, सोमती बाई की बथुआ की भाजी , खजरी के श्री रघुवीर कृपा गुड़ उद्योग का जैविक गुड़, अर्चना प्राकृतिक कृषि फॉर्म खजूरी पनागर के उत्पाद जैविक दाल, चावल, मोटे अनाज व बर्मी कंपोस्ट आकर्षण का केंद्र रहे। गोदावरी जैविक कृषि फॉर्म कालगोड़ी बरेला के चावल, दाल , बेसन, घी जैसे उत्पादों को भी उपभोक्ताओं द्वारा सराहा गया। ताजी एवं पौष्टिक पत्तेदार सब्जियां भी उपलब्ध रहीं। जैविक हाट का संयुक्त संचालक के एस नेताम एवं उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम ने अवलोकन किया। जैविक हाट के संचालन में अनुविभागीय कृषि अधिकारी श्रीमति मनीषा पटेल, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जे एस राठौर, एम एल जाटव, कृषि विस्तार अधिकारी वृषभान अहिरवार आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जैविक हाट में जैविक उत्पाद लाने वाले कृषकों को परिचय पत्र प्रदाय किए गए। कृषकों को बताया गया कि जैविक हाट में अपना परिचय पत्र अवश्य लाएं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर कृषि जिले की 60 बस्तियों में होंगे हिंदू सम्मेलन

जबलपुर

कृषि जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर जिले की 60 बस्तियों में विशाल हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाने की योजना बनाई गई है। सुहागी बस्ती में संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के सानिध्य में सभी समाज के भाई-बहनों को संबोधित किया जाएगा। उनके उद्बोधन में समाज के सशक्तिकरण और पांच परिवर्तन के महत्वपूर्ण विषय शामिल होंगे। अन्य 59 बस्तियों में भी इसी प्रकार के विशाल हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। इस उद्देश्य को सफल और समाज उपयोगी बनाने हेतु

शांति नगर के जेडीए पार्क में 60 अक्षत कलशों का विधिवत पूजन और अर्चन किया गया। सम्मेलन संचालन टोली के कार्यकर्ताओं को एक-एक कलश का वितरण किया गया, और इसके साथ ही विशाल जन समूह के बीच कलश वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि महाराज और समाजसेवी ब्रजकांतजी ने उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए 15 जनवरी से 30 जनवरी तक होने वाले हिंदू सम्मेलनों में भाग लेने का आह्वान किया। सभी बस्तियों में भूमि पूजन के पश्चात वहां भी विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाने की योजना है।

युवक ने अज्ञात कारणों के चलते लगा ली फांसी

जबलपुर। बेलबाग थानांतर्गत फूटाताल निवासी राजेश लोधी के 29 वर्षीय पुत्र आकाश उर्फ अक्कू ने बीती रात अज्ञात कारणों के चलते अपने घर में कमरे के अंदर साड़ी से फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली । सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर -शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

पावर मैनेजमेंट अस्पताल में पैथोलॉजी जांच शिविर आज

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के अस्पताल में आज 5 जनवरी को एक निजी पैथोलॉजी लेब के सहयोग से कंपनी के कार्मिकों के लिए निःशुल्क पैथोलॉजी जांच शिविर का आयोजन प्रातः 9 से शाम 4 बजे तक किया गया है। इस जांच शिविर में टीएसएच, टी 3 टी 4 टीएसएच, एचबीए 1सी, लिपिड प्रोफाइल, विटामिन डी, विटामिन बी 12, भारत फिट 5, भारत फिट 6, भारत फिट फीमेल पैकेज व भारत फिट मेल पैकेज जैसी दस पैथोलॉजी जांच की जाएंगी। पावर मैनेजमेंट कम्पनी के कार्मिक व उनके आश्रित उक्त सुविधा का लाभ बिना किसी भुगतान के ले सकेंगे। इस हेतु कंपनी की चिकित्सा पुस्तिका साथ लाना अनिवार्य है। ब्लड शुगर व लिपिड प्रोफाइल जांच के लिए प्रातः खाली पेट आना जरूरी होगा। 6 जनवरी को प्रातः 9 से शाम 4 बजे तक पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, पावर जनरेटिंग कंपनी व पावर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्मिक व उनके आश्रित इन पैथोलॉजी जांच को रियायती दर पर करवा सकेंगे।

सूने मकान को निशाना बनाकर बड़ी चोरी

जबलपुर। थाना संजीवनी नगर क्षेत्र अंतर्गत सूने मकान को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। नव निवेश कॉलोनी फेस-2, महाराणा प्रताप वार्ड गंगानगर निवासी 34 वर्षीय श्रीमती पूजा राजपूत ने थाने में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह अपने बच्चों के साथ रिश्तेदारी में छिंदवाड़ा गई हुई थी, जबकि उनके पति घर में ताला लगाकर अपने काम से मंडला चले गए थे। इसी दौरान पति ने फोन पर सूचना दी कि घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ है। छिंदवाड़ा से वापस लौटने पर श्रीमती पूजा राजपूत ने देखा कि मेन गेट सहित अंदर के ताले टूटे पड़े थे। बेडरूम में रखी आलमारी खुली हुई थी और सामान बिखरा पड़ा था। आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात—चांदी की 4 जोड़ी बिछिया, 4 जोड़ी पायल, 3 चांदी के सिक्के, सोने की 1 अंगूठी, 1 चेन, 1 मंगलसूत्र (गुरिया व पेंडल सहित), 1 जोड़ी टॉप्स—साथ ही टीवी ड्रॉअर में रखी नगदी गायब थी। अज्ञात चोर मध्यरात्रि घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे और लगभग 90 हजार रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात व नकदी चोरी कर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं बीमा योजनाओं पर फेसबुक लाइव बुधवार 7 जनवरी को

जबलपुर। शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों पर आम नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी कठिनाइयों के निराकरण की कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की नवाचारी पहल के अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा फेसबुक लाइव का चौथा कार्यक्रम सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं एवं सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं पर बुधवार 7 जनवरी को शाम चार बजे से होगा। जिला प्रशासन के आधिकारिक फेसबुक पेज ₹कलेक्टर जबलपुर₹ पर प्रसारित होने वाले फेसबुक लाइव के इस कार्यक्रम से जुड़कर जिले के नागरिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं एवं सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही इन योजनाओं से संबंधित अपनी कठिनाइ और जिज्ञासा का समाधान भी प्राप्त कर सकेंगे।

फेसबुक लाइव के इस कार्यक्रम में प्रभारी संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय आशीष दीक्षित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े प्रश्नों का जबाब देंगे। वहीं, लीड बैंक मैनेजर दिवाकर ठाकुर द्वारा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना से जुड़ी नागरिकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया जाएगा।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं एवं सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं से जुड़े विषयों पर आम नागरिक अपने प्रश्न कमेंट्स के माध्यम से कर सकेंगे।

क्लेप 3.0 प्रशिक्षण से युवाओं को मिली नई दिशा

जबलपुर।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में प्रोजेक्ट CLAP के तहत राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी में 26 से 30 दिसंबर तक CLAP 3.0 का राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। साथ ही CLAP 2.0 की क्लोज़िंग और अनुभव साझा कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन बबलू गोस्वामी (असिस्टेंट डायरेक्टर, प्रोजेक्ट CLAP) और मोनिका मौर्य (सोशल बिहेवियर चेंज ऑफिसर, मध्यप्रदेश यूनिसेफ) के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के विद्यार्थियों के लिए करियर मार्गदर्शन, डिजिटल साक्षरता और जीवनोपयोगी कौशल विकास कार्यक्रमों को जिला स्तर पर क्रियान्वित करने पर विस्तार से चर्चा हुई। सहायक राज्य संगठन आयुक्त (संभाग जबलपुर) ललित कुमार मिश्रा के नेतृत्व में जिला संघ जबलपुर से 7 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इनमें किरन येवले, शुभांगी तिवारी, शुभम ठाकुर, लुकास जुम्मन, इंद्राक्षी सिंह, ज्योति यादव और अनुष्का नामदेव शामिल थे। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए किरन येवले (यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल), शुभम ठाकुर (डब्ल्यू.ई.एस.ई.सी. स्कूल) और शुभांगी तिवारी (हितकारिणी स्कूल) को विशेष सम्मानित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, संरक्षक अजय तिवारी, जिला मुख्य आयुक्त डॉ. विजयकांत तिवारी और अन्य पदाधिकारियों ने टीम के योगदान की सराहना की और शुभकामनाएँ दीं।

ब्रेल लिपि दिवस पर प्रदर्शनी का आयोजन आज

जबलपुर। प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान, जबलपुर के समावेशी शिक्षा प्रकोष्ठ द्वारा लुई ब्रेल जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार 5 जनवरी को विश्व ब्रेल लिपि दिवस समारोह का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर व्याख्यान होंगे तथा प्रदर्शनी लगाई जायेगी। समारोह प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान के सेमिनार हॉल में सुबह 11:30 बजे से प्रारंभ होगा।

जैन समाज पर अभद्र टिप्पणी के बाद पुलिस लाठीचार्ज से आक्रोश

जबलपुर

एक मामूली विवाद ने अब बड़े सांप्रदायिक और प्रशासनिक संघर्ष का रूप ले लिया है। शहर के प्रसिद्ध बड़कुल होटल में 'ठंडी भजिया' परोसने को लेकर शुरू हुआ विवाद उस समय हिंसक हो गया, जब होटल मैनेजर ने जैन समाज को लेकर अभद्र टिप्पणी कर दी। इस टिप्पणी से आक्रोशित होकर बड़ी संख्या में समाज के लोग विरोध प्रदर्शन के लिए एकत्रित हुए, जिन्हें तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया।

शनिवार को जैन समाज के सैकड़ों लोग लाठीचार्ज में घायल हुए साथियों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे। समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस पर बर्बरता का आरोप लगाते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर बिना किसी ठोस वजह के लाठियां भांजी गईं। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि घायल प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने तक से मना कर दिया।

जैन समाज ने दो टूक शब्दों में मांग की है कि लाठीचार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों पर निष्पक्ष जांच कर तत्काल कार्रवाई की जाए। समाज ने प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि तय समय सीमा में दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे न्याय के लिए उच्च न्यायालय की शरण लेंगे। हालांकि, पुलिस ने अब तक अभद्र टिप्पणी करने वाले तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन समाज अब पुलिसिया कार्रवाई के विरुद्ध एकजुट है।

नेशनल कैंप का भव्य समापन

जबलपुर। मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी द्वारा आयोजित एक दिवसीय नेशनल कैंप का समापन हुआ। इस कैंप में चयनित एकेडमी के 39 खिलाड़ी 29 से 31 दिसंबर 2025 तक बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में होने वाली 3rd ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। एकेडमी के संस्थापक राजकुमार यादव ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए प्रशिक्षक झामसिंह तेकाम को मध्यप्रदेश टीम का कोच और एडवोकेट जयराज चौधरी को रेफरी नियुक्त किया गया है। कैंप के समापन अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए ताइक्वांडो को अनुशासन, आत्मविश्वास और आत्मरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। कार्यक्रम के अंत में एकेडमी की ओर से सभी खिलाड़ियों को खेल किट, ट्रैक सूट और ताइक्वांडो ड्रेस प्रदान की गई। अतिथियों ने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

जबलपुर में मात्र 50% सुरक्षित है पीने का पानी, केन्द्रीय सर्वे की रिपोर्ट

नालियों से गुजर रही पाइप लाइनें, पिछले 20 वर्षों से नहीं हटाई गईं

जबलपुर। केन्द्र शासन द्वारा दिसम्बर 2025 में जारी की गई सर्वे रिपोर्ट के अनुसार जबलपुर में सप्लाई हो रहे पीने का पानी की रिपोर्ट चिंताजनक है, यह मात्र 54.3% सुरक्षित पाया गया। स्पष्ट है कि जबलपुर में सप्लाई हो रहा पीने का पानी लगभग 50 प्रतिशत की मात्रा में दूषित है। पिछले 20 वर्षों से नालियों से गुजर रही पीने के जल की पाइप लाइनें अभी तक हटाई नहीं गई हैं, जबकि इन्हीं पुरानी पाइप लाइनों में बारंबार लीकेज होने से पेयजल दूषित हो रहा है।

लगातार शिकायतों के बावजूद भी स्वच्छ पेयजल प्रदान करने के स्पष्ट निर्देशों की अनदेखी हो रही है, 02 जनवरी 2026 को राज्य सरकार ने पुनः गाइड लाइन जारी की है, किन्तु कार्यगति सुस्त है।

जनसंगठनों ने नगर निगम को नोटिस भेजकर स्पष्ट चेतावनी दी है कि सात दिनों के भीतर सर्वे पूर्ण कर नालियों से गुजर रही पाइप लाइनों को हटाने का ठोस कार्य शुरू नहीं किया गया, तो नगर निगम के समक्ष तीव्र आंदोलन किया जाएगा।

बैठक में डॉ. पीजी नाजपांडे, रजत भार्गव, सुभाष चंद्रा, टीके रायघटक, डीके सिंह, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, सुशीला कनौजिया, डीआर लखरे, गीता पांडे, केसी सोनी, संतोष श्रीवास्तव, एड. जीएस सोनकर आदि उपस्थित रहे।

पासी समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन 22 मार्च को

जबलपुर। पासी समाज महासंघ की आज आयोजित बैठक में नगर अध्यक्ष डॉ. ऋषि बावरिया ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी युवक-युवती परिचय सम्मेलन 22 मार्च को सदर में आयोजित किया जाएगा। बैठक में तोताराम बावरिया, श्यामसुंदर बावरिया, धनराज बावरिया, जगमोहन बावरिया, एड. विजय पासी, प्रकाश पासी, राजू पासी, संध्या पासी, उर्मिला बावरिया, शीला बावरिया सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

148 साल बाद संक्रांति पर षटतिला एकादशी का योग, इससे खरीदारी दान-पुण्य से मिलेगा अक्षय लाभ

सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग के दुर्लभ संयोग में इस बार मनाई जाएगी मकर संक्रांति

हरिभूमि, जबलपुर

सूर्य के धनु राशि से मकर में प्रवेश करने के साथ ही मकर संक्रांति पर्व इस बार 14 जनवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा। संस्कारधानी में हजारों की संख्या में श्रद्धालु नर्मदा स्नान के लिए नर्मदा जी विभिन्न घाट जाएंगे। इस बार मकर संक्रांति पर्व विशेष संयोग में मनाया जाएगा।

पुजारी शिवशंकर ि तवारी ने बताया कि सूर्य देव के मकर राशि में प्रवेश करने के दिन मकर संक्रांति मनाई जाती है। इसी दिन खरमास भी खत्म होता है और शुभ कार्य फिर से शुरू होते हैं। इस साल मकर संक्रांति 14 जनवरी को माघ मास कृष्ण पक्ष प्रतिपदा तिथि पर बुधवार के दिन है। इस बार सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग के दुर्लभ संयोग के साथ ही चतुर्ग्रही योग भी बन रहा है। इसमें जहां सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सुबह 7:15 बजे से शुरू होकर अगले दिन दिन सुबह 3:03 बजे तक रहेंगे। तो वहीं इस साल मकर संक्रांति के अवसर पर मकर राशि में सूर्य के साथ-साथ तीन अन्य महत्वपूर्ण ग्रहों की उपस्थिति रहेगी। जब चार ग्रह एक ही राशि में गोचर करते हैं, तो उसे चतुर्ग्रही योग कहा जाता है। इसके साथ ही 148 साल बाद संक्रांति पर षटतिला एकादशी का योग भी देखने को मिलेगा। इस मौके पर विकास संबंधी कार्य और खरीदारी से उन्नति के योग बन रहे हैं।

सूर्य देव और भगवान विष्णु की कृपा एक साथ

पुजारी रामजीवन दुबे ने बताया कि मकर संक्रांति और षटतिला एकादशी का एक साथ आना यह एक दुर्लभ संयोग है, जिसमें सूर्य देव और भगवान विष्णु दोनों की कृपा एक साथ प्राप्त होती है। 14 जनवरी को षटतिला एकादशी है और इसी रात सूर्य मकर राशि में गोचर करेंगे। एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित होती है, जबकि संक्रांति सूर्य देव की उपासना का पर्व है। इस विशेष संयोग में किया गया स्नान, दान और जप सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक फलदायी माना जाता है।

सूर्य दोष शांति के उपाय

पुजारी रामजीवन दुबे ने बताया कि जिन लोगों की कुंडली में सूर्य कमजोर है, उन्हें सुबह स्नान कर तांबे के लोटे से अर्घ्य दें।

पितृ दोष से मुक्ति के उपाय

पितरों शांत करने के लिए संक्रांति पर सूर्य को जल अर्पित करते लोटे में काले तिल और लाल फूल डालें।

स्नान-दान का शुभ मुहूर्त

मकर संक्रांति के दिन दान-पुण्य का शुभ समय दोपहर 3:07 से शाम 06:02 बजे तक रहेगा। इस अवधि में दान करना अत्यंत शुभ है।

ऐसे करें पूजा

जल में काले तिल और गंगाजल मिलाकर स्नान करें। सूर्य देव को तांबे के लोटे से अर्घ्य दें और 'ॐ घृणि सूर्याय नमः' मंत्र का जाप करें।

जबलपुर की मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो में रचा इतिहास

जबलपुर। मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आयोजित तीसरी ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया।

एकेडमी के 38 खिलाड़ियों ने मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए क्योरिंगी, पुमसे और स्पीड किकिंग इवेंट में 39 स्वर्ण, 8 रजत और 6 कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। इस उपलब्धि पर संस्थापक राजकुमार यादव ने खिलाड़ियों को फूल-मालाएं पहनाकर और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता से लौटने पर नगर में खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों और जयघोष के साथ अभिभावकों और खेल प्रेमियों ने उनकी सफलता का जश्न मनाया। कोच एवं प्रशिक्षकों ने कहा कि यह सफलता निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है और भविष्य में खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

पदक विजेता खिलाड़ियों में रोशनी बैरागी, रिहान मरावी, खुशी यादव, रेशु सिंह मसराम, मान्या महावर, एडरिन वॉर्नर, शौर्य विरहा, शौर्य विक्रम वीर, अन्विका बोरासी, अंशिका बोरासी, गौरव कश्यप, मानवराज यादव, मानवी यादव, राज चक्रवर्ती, इशान दुबे, सतेन्द्र बरकडे, कार्तिक बर्मन, रमन मेहरा, दीपा रघुवंशी, राधे पटेल, कामाक्षा पटेल, नव्या रघुवंशी, अदिति गिरी, आर्यवर्धन सिंह परिहार, शिवानी बेन, अंशिता रॉय, अमिष्का रॉय, सावन बैरागी, ललिता पूषाम, मानषी मरकाम, सरला सरोते, कशिश वरकड़े, यसमीन सैयाम, सकुनतला ठाकुर, अम्बिका मार्को, प्रियंका मरावी, अजीत वरकड़े, निर्मिला कुलस्ते शामिल हैं।

राधेश्याम मेहरा बने बहुजन चेतना विकास मोर्चा के प्रांतीय अध्यक्ष

जबलपुर। बहुजन चेतना विकास मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष खेमराज झारिया की सहमति से जबलपुर निवासी राधेश्याम मेहरा को आगामी आदेश तक मध्यप्रदेश राज्य का प्रांतीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

जारी नियुक्ति आदेश में कहा गया है कि राधेश्याम मेहरा मोर्चा के संविधान के अनुरूप कार्य करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष की सहमति से मध्यप्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला कार्यकारिणियों का गठन करेंगे। यह नियुक्ति आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

'घंटा' शब्द के विरोध में शिवसेना ने कैलाश विजयवर्गीय से इस्तीफे की मांग की

जबलपुर।

शिवसेना के जिला प्रमुख शैलू पटेल 'सुजीत' ने बताया कि इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौत एवं हजारों लोग जो गंभीर अवस्था में अस्पताल में उपचारार्थ भर्ती हैं, को लेकर पत्रकार द्वारा किए गए प्रश्न पर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा जो 'घंटा' शब्द का प्रयोग किया गया वह निंदनीय है, जिससे आम जनता में रोष व्याप्त है। जिसके विरोध में शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट जिला प्रमुख शैलू पटेल के नेतृत्व में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के इस्तीफे की मांग को लेकर 04 जनवरी को दोपहर 12 बजे कंट्रोल रूम के पास मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन किया गया एवं मृतकों को 10 लाख रुपये एवं बीमार, घायलों को पांच लाख रुपये मुआवजा अविलंब दिए जाने की मांग की गई। इस अवसर पर शैलेन्द्र बारी, गजानंद गुप्ता, मुकेश सराठे, भवानी शंकर सतनामी, सुधीर ताम्रकार, विकास सराठे, लल्लू साहू, सत्तू पटेल, कान्हा बर्मन, भोलू केवट, दीपक, कुलदीप चौधरी सहित अनेक शिवसैनिक उपस्थित रहे।

सुहागी में 23 को हिंदू सम्मेलन के लिए हुआ भूमि पूजन

जबलपुर

सुहागी में भूमि पूजन का कार्यक्रम विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर संपन्न हुआ। आगामी 23 जनवरी को विशाल हिन्दू सम्मेलन सरस्वती शिशु मंदिर सुहागी के मैदान में आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्वामी गिरीशानंद महाराज संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होस्टेस का मार्गदर्शन प्राप्त होगा, कार्यक्रम में अनेक समाज चेतना के विषयों को लेकर झांकिया निकाली जाएंगी। समाज के सभी जाति, बिरादरी के लोगों की यात्रा संतों के नेतृत्व में निकाली जाएगी, युवा रैली, कलश यात्रा, महापुरुषों की जीवंत झांकी होगी, समाज को एकजुट करने यह आयोजन किए जा रहे हैं। आज समाज को तोड़ने के अनेक षड्यंत्र हो रहे हैं, इसलिए हिन्दू जागेगा विश्व जागेगा को चरितार्थ करने ऐसे आयोजन पूरे देश भर में किए जा रहे हैं, भूमि पूजन पुरोहित के द्वारा विधि विधान से मंत्रों के साथ संपन्न हुआ जिसमें यजमान के रूप में अनिल गुप्ता, रामकिंकर, अखिलेश, मनीषा, राजेश, रजनी तिवारी, डॉ. सुभाष एवं समाज के गणमान्य नागरिकों में विधायक इन्दू तिवारी, मोनू पारे, संतोष द्विवेदी, सुभाष तोमर, राजू जाधव, राजेश दुबे, लखन देवानी, एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित थे।

तान्या कॉन्वेंट स्कूल का रजत जयंती समारोह सम्पन्न

पाटन। नगर स्थित तान्या कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में रजत जयंती समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर के.पी. सिंह, आरएसएस प्रान्त प्रचारक ब्रजकांत, सांसद आशीष दुबे, न्यायाधीश गुलाब मिश्रा, ग्रामीण एसपी सूर्यकांत शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार नलिनीकांत वाजपेयी, पद्मश्री लहरी बाई, हरप्रीत कौर, वर्षा पटेल, मौसमी सिंह एवं विद्यालय के प्राचार्य चरण सिंह की विशेष उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि मेजर जनरल गगनदीप बक्शी वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़े और विद्यार्थियों को साहस, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। ब्रिगेडियर के.पी. सिंह ने सत्यनिष्ठा को सफलता का मूल मंत्र बताया। सांसद आशीष दुबे ने परिश्रम, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व पर बल दिया। न्यायाधीश गुलाब मिश्रा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य जागरूक एवं न्यायप्रिय नागरिक का निर्माण है। पद्मश्री लहरी बाई ने श्रीअन्न (मिलेट्स) के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशिष्ट मातृशक्तियों एवं पूर्व छात्रों का सम्मान किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ समारोह का समापन हुआ। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जबलपुर बॉयज ने पठानकोट को 11 रन से हराया

मझौली।

श्री विष्णु बाराह कप अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट 2025–26 के पूल-बी का पहला लीग मैच मझौली में जबलपुर बॉयज और पठानकोट (J&K) के बीच खेला गया। मुकाबले में जबलपुर बॉयज ने मजबूत दावेदार मानी जा रही पठानकोट टीम को 11 रन से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जबलपुर बॉयज ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 149 रन बनाए। मोहित शुक्ला ने शानदार 62 रन (7 चौके, 3 छक्के) की पारी खेली, वहीं अराध्य यादव ने 29 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पठानकोट टीम 138 रन पर ऑलआउट हो गई। दीपक त्रिपाठी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 महत्वपूर्ण विकेट लिए।

मोहित शुक्ला को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच के अंपायर संदीप झरिया और शाहिद खान रहे। मुख्य अतिथि के रूप में सुनील जैन, राजेंद्र चौरसिया, गिरीश पालीवाल, रजनीश कुररिया, उमेश उपाध्याय, रिजु नेमा, केशव राय, देवेंद्र दहिया, विजय नेता, गुड्डु जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच 5 जनवरी 2026 (सोमवार) को दोपहर 12 बजे से नेशनल क्लब मझौली और जबलपुर बॉयज के बीच खेला जाएगा।

पाथेय संस्था द्वारा प्रमोद कुशवाहा की एकल चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ

जबलपुर। कला, साहित्य और संस्कृति को समर्पित पाथेय संस्था के तत्वावधान में कला साधक प्रमोद कुशवाहा के एकल चित्रों की द्वि-दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन अवसर पर एसपी लोकायुक्त अंजुलता पटले ने कहा कि इंद्रधनुषी रंगों में समाहित प्रमोद कुशवाहा के चित्र प्रकृति, अध्यात्म, धर्म और दर्शन का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करते हैं तथा रंग-थैरेपी के माध्यम से जीवन और जगत पर चिंतन को प्रेरित करते हैं। समारोह की अध्यक्षता डॉ. तनूजा चौधरी ने की। विशिष्ट अतिथि साइबर सेल प्रभारी भावना तिवारी, वरिष्ठ नृत्यांगना कामना नायक एवं डॉ. दिव्या चौबे रहीं। दिल्ली से पधारी वरिष्ठ साहित्यकार करुणा शर्मा ने चित्रों को जीवन-दर्शन का भावपूर्ण चित्रण बताया। कार्यक्रम का संचालन राजेश पाठक प्रवीण ने किया। इस अवसर पर लायंस क्लब के पूर्व गवर्नर नरेंद्र जैन का अभिनंदन किया गया। विविध संस्थाओं द्वारा प्रमोद कुशवाहा को सम्मानित किया गया। प्रदर्शनी आज भी सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक अवलोकनार्थ खुली रहेगी। दोपहर 3 बजे से मंथनश्री एवं बुंदेली संस्कृति संगम द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन होगा।

श्री पवन कुमार रजक- मेंहदीबाग सदर निवासी श्री शंकर लाल रजक के पुत्र श्री पवन कुमार रजक (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री चंद्रपाल सिंह- एलआईसी कॉलोनी मदनमहल निवासी श्री चंद्रपाल सिंह (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती पार्वती नामदेव- नब्बे क्वाटर शक्तिनगर निवासी श्री छोटे लाल नामदेव की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती नामदेव (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती हीरा बाई चक्रवर्ती- खाई मोहल्ला हनुमानताल निवासी श्री विजय चक्रवर्ती की धर्मपत्नी श्रीमती हीरा बाई चक्रवर्ती (25) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राधिका देवी- कछपुरा मोलगोदाम के पास श्री नगर निवासी श्री जगदीश प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती राधिका देवी (100) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गुलाब सिंह राजपूत- ईसाई मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री गुलाब सिंह राजपूत (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुलेमा बाई- अमखेरा कुदवारी निवासी श्री जंगी लाल की धर्मपत्नी श्रीमती सुलेमा बाई (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आकाश लोधी- फूटाताल बढ़ई मोहल्ला निवासी श्री राजेश लोधी के पुत्र श्री आकाश लोधी (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राम कृष्ण झारिया- गौतमगंज गढ़ा निवासी श्री राम कृष्ण झारिया (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विजय शंकर तिवारी- प्रेमनगर पोस्ट आफिस के पास मदनमहल निवासी श्री विजय शंकर तिवारी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती प्रेमलता सिंह परिहार- गांधी व्यायाम शाला के पास रांझी निवासी श्री गोपाल सिंह परिहार की धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता सिंह परिहार (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री घनश्याम बिरहा- भानतलैया खेरमाई वार्ड निवासी श्री रमेश बिरहा के पुत्र श्री घनश्याम बिरहा (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लखपति देवी विश्वकर्मा- विनोबा नगर अधारताल निवासी श्री राम लाल विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती लखपति देवी विश्वकर्मा (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रूपकला बागड़े- लक्ष्मी कॉलोनी हाथीताल निवासी श्री विजय बागड़े की धर्मपत्नी श्रीमती रूपकला बागड़े (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री ओम प्रकाश गर्ग- राइट टाउन प्रेम मंदिर के पास निवासी श्री ओम प्रकाश गर्ग (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रमा देवी यादव- लालमाटी चांदमारी हनुमान मंदिर के पास निवासी श्री ओम प्रकाश यादव की धर्मपत्नी श्रीमती रमा देवी यादव (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रमेश सिंह ठाकुर- शाहीनाका गढ़ा निवासी श्री रमेश सिंह ठाकुर (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सिंगल साइज:- [illegible] से.मी. ब्लैक&व्हाइट 300/-
सिंगल साइज:- [illegible] से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज [illegible] से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362160

कड़ाके की ठंड में सार्वजनिक जगहों पर अलाव की मांग

सिहोरा।

कड़ाके की ठंड और शीतलहर ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है ऐसे में नगर के सार्वजनिक स्थल सहित अन्य प्रमुख बाजारों और चौक-चौराहों पर अलाव की समुचित व्यवस्था नहीं होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फुटपाथी दुकानदारों और स्थानीय व्यवसायियों ने बताया कि ठंड बढ़ने के बावजूद अभी तक नगर की पालक संस्था द्वारा अलाव की व्यवस्था नहीं की गयी जिससे सुबह और देर शाम दुकान लगाने वाले लोग ठिठुरने को मजबूर हैं ठंड के कारण ग्राहकों की आवाजाही भी कम हो रही है जिससे कारोबार पर भी असर पड़ रहा है स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह और रात के समय सर्द हवाओं के कारण हालात और गंभीर हो जाते हैं बुजुर्गों,बच्चों और मजदूरों के लिए घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है. खासकर बस स्टैंड,रेल्वे स्टेशन बाजार,अस्पताल और प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव नहीं होने से सबसे अधिक दिक्कतें हो रही हैं। विदित हो थोक सब्जी मंडी में सुबह चार बजे से आस पास के किसान सब्जी लेकर आते हैं लेकिन अलावा की व्यवस्था न होने के कारण ठण्ड में ठिठुरते रहते है व्यवसायी और आम लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ठंड को देखते हुए सभी प्रमुख स्थानों बस स्टेंड रेल्वे स्टेशन सरकारी अस्पताल सब्जी मण्डी में नियमित रूप से अलाव की व्यवस्था कराई जाये ताकि लोगों को कुछ राहत मिल सके फिलहाल क्षेत्रवासी प्रशासनिक पहल का इंतजार कर रहे हैं ताकि कड़ाके की ठंड से राहत मिल सके।

चर्च पर हमले के आरोपियों पर सख़्त कार्रवाई की मांग

जबलपुर। मध्यप्रदेश जागरूक क्रिश्चियन मंच ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर 25 दिसंबर क्रिसमस के दिन गिरजाघरों में हुई तोड़फोड़ की घटनाओं की कड़ी निंदा की है। मंच का कहना है कि असामाजिक तत्वों द्वारा चर्च में घुसकर की गई तोड़फोड़ व सजावट को नुकसान पहुंचाना निंदनीय है, जिससे ईसाई समाज में रोष और असुरक्षा की भावना व्याप्त है। संगठन ने बताया कि ऐसी घटनाओं से मानसिक आघात के साथ आर्थिक नुकसान भी हुआ है तथा देश में अशांति का माहौल बन रहा है। मंच ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों पर सख़्त कार्रवाई की जाए और कानून अपने हाथ में लेने वाले असामाजिक संगठनों पर तत्काल रोक लगाई जाए। प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन सहित एडवोकेट जेम्स एंथोनी, हैरिस नथानियल, फ्रांसिस एंथोनी, क्रिस्टोफर नरोन्हा, क्लेमेंट पायस, अल्बर्ट एंथोनी सहित अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि देश में अमन-शांति बनाए रखने के लिए ऐसी घटनाओं पर सख़्ती से अंकुश लगाना आवश्यक है।

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 15716687X RANK HAV NAME SATYABRATA GIRI S/O LATE PARAMANANDA GIRI OF UINT 1 TTR, 1 STC, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 6907 4490 5679 I, have changed name of my SON, from VIRAJ KUMAR GIRI (name as per my ARMY SERVICE RECORDS) to VIRAJ GIRI (name as per my SON, BIRTH CERTIFICATE AND AADHAR CARD NO. 8966 6421 9149) vide affidavit dated 03/01/2026 (date of affidavit) formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
VIRAJ GIRI
INCORRECT NAME
VIRAJ KUMAR GIRI

तामिया रेंज में वन्यप्राणियों की दहशत, तेंदुए ने किया सात बकरियों और एक गाय का शिकार

जंगलों में वाहनों की आवाजाही: ठिकाना बदलने को मजबूर हुए वन्यप्राणी

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

तामिया रेंज की तामिया बीट के आसपास तेंदुआ द्वारा लगातार पिछले दो माह से आतंक मचाया जा रहा है, जिसके चलते ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है, वहीं वन विभाग द्वारा तेंदुए के मूवमेंट पर नजर नहीं रखी जा रही है, जिसके नतीजन तेंदूऐ ने जंगल क्षेत्र से लगे गांव में पहले एक गाय शिकार किया।

बीते दो दिनों पूर्व तामिया पंचायत के ग्राम चौर पठार में तेंदुए ने किसान के खेत के पास बैठी बकरियों पर हमला किया। इस दौरान तेंदुए द्वारा सात बकरियों और एक गाय का शिकार किया जिससे प्रतीत होता है कि तेंदुओं की संख्या अधिक हो सकती है, जिस कारण क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। वन विभाग ने घटना स्थल का जायजा लिया एवं ग्रामीणों को समझाईस भी दी एवं मुआवजा संबंधी प्रकरण भी बनाया गया। एवं ग्रामीणों को सतर्क रहने चेताया सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी गई, लेकिन आखिर तामिया से लगे गांव के पास तेंदुआ किस कारण आ रहा है। इस ओर कोई विभाग द्वारा गौर नहीं की गई। ऐसा ग्रामीणों का मानना है क्योंकि कुआं बादला सर्कल के जंगलों में बरसों से वन प्राणी ग्रामीणों द्वारा देखे जाते रहे हैं! लेकिन इस क्षेत्र में कुछ वर्षों से लगातार रेत के वाहन जंगल एवं उसे लगी नदियों में रात में जाते रहते हैं जिनके शोर गुलशन से परेशान होकर वो अपना ठिकाना बदलने मजबूर है क्योंकि इस क्षेत्र में चीतल भेड़की हिरण का शिकार कर पेट भरते थे, लेकिन इसी के चलते वन प्राणी जंगल के और भीतर चले गए जिस कारण तेंदुए को मजबूरन पालतू पशुओं का शिकार करना पड़ा जिसका परिणाम यह हुआ कि एक गाय और पांच बकरी का शिकार इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। वहीं लोगों का यह मानना है कि तामिया के जंगलों में लोगों की कैंपिंग, कैंफायर जैसी गतिविधियां होती थी, उसका भीअसर ग्रामीण कारण मानते हैं। अब जाकर वन विभाग ने प्राप्त जानकारी के अनुसार जंगल में कैंपिंग करने वाले एवं पर्यटकों के रूप में प्रवेश करने वाले लोगों को जंगल में प्रवेश की मनाही की। यदि उल्लेखित कार्य विभाग द्वारा पूर्व में किए गए होते तो तेंदुए को पालतू पशु का शिकार करने मजबूर नहीं होना पड़ता। गनिमत यह रही कि तेंदुए का कोई नागरिक शिकार नहीं हुआ। इस तरह वन विभाग के बजाय तेंदुए की दहशत से जंगल में प्रवेश रुक सका है।

7 बकरियों और एक गाय का तेंदुए ने किया शिकार

परासिया। छिंदवाड़ा सतपुड़ा के जंगलों में बाघ और तेंदुए के दिखने और जानवरों को अपना शिकार बनाने के मामले आय दिन सामने आ रहे हैं। तामिया से भी एक मामला सामने आया है। यहां तामिया के चौड़ापठार में तेंदुए ने 7 बकरियों और 1 गाय को अपना शिकार बनाया। वन विभाग की टीम मौके पहुंची और घटना की जानकारी ली ।मिली

जानकारी के अनुसार तामिया से लगभग 10 किलोमीटर दूर सुदूर पहाड़ी ग्राम चौड़ापठार में किसान फग्गू भारती की बकरियां शनिवार शाम घर नहीं लौटी तो रविवार सुबह किसान की पत्नी और बेटी ढूंढने के लिए जंगल की तरफ गए। यहां पहाड़ी में तलहटी क्षेत्र में 7 में से पांच बकरियां इधर - उधर मरी पड़ी दिखाई दी, दो बकरियां गायब मिली। किसान की पत्नी और बेटी को ये समझते देर नहीं लगी, कि उनकी बकरी को तेंदुए ने अपना शिकार बना लिया है। वे वहां से डर कर भागी और घर वालों को बताया। जिसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। वन परिक्षेत्र अधिकारी अपनी टीम के साथ घटना स्थल पहुंचे और बकरियों को एक जगह इकट्ठा कर जंगल में छोड़ दिया गया, साथ ही जानवर मालिक को मुआवजा देने की बात कही गई। लोगों ने बताया, कि तेंदुए ने एक गाय को भी मारा है।

लगभग 25 बकरियां आई वापस : ग्रामीणों ने बताया, कि ग्राम के सभी लोगों के जानवर जंगल में रोज चरने जाते हैं। शनिवार को भी 25 से 30 बकरियां चरने गईं थीं। उनमें से 7 बकरियों को छोड़ बाकी बकरियां भाग कर आ गईं।

आरोपः झोलाछाप डॉक्टर के गलत इलाज से हुई युवक की मौत, कार्रवाई की मांग

छतरपुर। जिले के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र में बुखार का उपचार कराने गए युवक को एक झोलाछाप डॉक्टर ने कथित तौर पर गलत इंजेक्शन लगा दिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई और उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने थाने पहुंचकर शिकायती आवेदन सौंपा और दोषी डॉक्टर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया प्राप्त जानकारी के अनुसार गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र के बडेरा पुरवा निवासी 35 वर्षीय रमेश उर्फ रामसहाय कुशवाहा को बुखार होने पर वे गांव के ही निजी झोलाछाप डॉक्टर नरेंद्र चौरसिया के पास दवा लेने गए थे। मृतक के परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने दवा देने के बजाय रमेश को एक इंजेक्शन लगा दिया, जिसके तुरंत बाद उनकी तबीयत और ज्यादा खराब हो गई।

छेरछेरा लोकपर्व पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया, अन्नदान से गूंजा गोरखपुर कस्बा

डिंडौरी।

गोरखपुर कस्बा एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों में किसानों के लोकपर्व छेरछेरा (छेरता) को शनिवार को पारंपरिक रीति-रिवाज और उत्साह के साथ मनाया गया। पौष पूर्णिमा के अवसर पर सुबह से ही बच्चों, युवाओं और युवतियों की टोलियां हाथों में टोकरी, बोरी और बर्तन लेकर घर-घर निकलीं। "छेरता कोठी के धान, हेरता" की लोकधुन के साथ अन्नदान की मांग की गई, जिससे पूरा गांव गूंज उठा लोकपर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने अपने-अपने घरों से धान, चावल, अनाज के साथ-साथ नगद राशि भी दान स्वरूप प्रदान की। बच्चों और युवाओं की टोली ने परंपरागत वेशभूषा में पूरे गांव का भ्रमण किया, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं द्वारा डंडा नृत्य का आकर्षक प्रदर्शन भी किया गया, जिसने पर्व की रौनक और बढ़ा दी।

गांव के बाहर बना सामूहिक प्रसाद

छेरछेरा पर्व के दौरान दान में प्राप्त अनाज को सभी टोलियों द्वारा गांव के बाहर एकांत स्थान पर ले जाकर खिचड़ी और खीर बनाई गई। इसके बाद इसे प्रसाद के रूप में ग्रामीणों में वितरित किया गया। कई घरों में आलू चॉप, भजिया सहित पारंपरिक व्यंजन भी बनाए गए। पर्व के चलते किसानों ने पूरे दिन खेती-किसानी का कार्य बंद रखकर इस लोकउत्सव को समर्पित किया।

वैवाहिक कार्यक्रमों की होती है शुरुआत

ग्राम के ब्रजेश कुशराम ने बताया कि छेरछेरा पर्व बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। वहीं पंडित महेश महाराज ने पर्व के धार्मिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पौष पूर्णिमा के दिन विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद माघ माह से वैवाहिक कार्यक्रमों की शुरुआत होती है। पौष माह में मान्यतानुसार विवाह जैसे शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं, इसलिए यह पर्व सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

छेरछेरा से जुड़ी मान्यताएं

छेरछेरा मुख्यतः किसानों का पर्व है, जो फसलों की कटाई और नई उपज से जुड़ा हुआ है। धान की फसल पकने और कोठी में अनाज भरने के बाद उसका कुछ हिस्सा दान में देने की प्राचीन परंपरा रही है। पूर्वजों की मान्यता है कि अन्नदान करने से घर में कभी अनाज की कमी नहीं होती। प्राचीन काल में रुपए-पैसे के स्थान पर धान का दान किया जाता था, जिसकी परंपरा आज भी किसी न किसी रूप में जीवित है।इस पर्व का इतिहास भी रोचक माना जाता है। कहीं इसे राजाओं की कथाओं से जोड़ा जाता है, तो कहीं अकाल से बचाव या देवी-देवताओं के चमत्कार से। अलग-अलग क्षेत्रों में यह पर्व अलग नामों से मनाया जाता है, लेकिन उद्देश्य एक ही है—स्नेह, भाईचारा और सामूहिकता को मजबूत करना। सामाजिक समरसता का प्रतीक छेरछेरा पर्व के दौरान सभी वर्गों के लोग बिना भेदभाव के एक साथ भोजन करते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं। इससे समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की भावना प्रबल होती है। मान्यताओं और परंपराओं के साथ यह लोकपर्व आज भी ग्रामीण जीवन में हर्षोल्लास और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बना हुआ है।

महिला एवं बाल विकास विभाग में सहायक ग्रेड-3 सस्पेंड किया

डिंडौरी। महिला एवं बाल विकास कार्यालय, मेहंदवानी में अनुशासनहीनता के गंभीर आरोपों के चलते अब्दुल रफीक खान, सहायक ग्रेड-3 को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, खान पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति आदेश वितरण और मुख्यमंत्री बाल आर्शीवाद/स पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता वसूलने में अनियमितता करने का आरोप है।परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास मेहंदवानी ने पहले श्री खान को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। उनके जवाब को संतोषप्रद नहीं पाए जाने के बाद, विभाग ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के तहत उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की।

आयुष्मान योजना के नाम पर संगठित लूट, वर्षों से बीमार व्यवस्था का फायदा उठा रहे दलाल और बड़े अस्पताल

डिंडोरी। गरीबों और आदिवासी समाज के लिए जीवन रेखा कही जाने वाली आयुष्मान भारत योजना डिंडोरी जिले में लूट और दलाली का जरिया बनती जा रही है। ठंड का मौसम आते ही यह गोरखधंधा एक बार फिर पूरी तरह सक्रिय हो जाता है। स्थानीय दलालों और बड़े-बड़े निजी अस्पतालों की कथित मिलीभगत से वर्षों से भोले-भाले ग्रामीणों को इलाज के नाम पर ठगा जा रहा है।

इलाज नहीं, सिर्फ आयुष्मान की वसूली

ग्रामीणों को रहने-खाने और मुफ्त इलाज का लालच देकर बसों में भरकर जबलपुर जैसे बड़े शहरों में ले जाया जाता है। वास्तविकता यह है कि अधिकांश मरीजों को सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार जैसी मामूली बीमारियां होती हैं, जिनका इलाज स्थानीय स्तर पर संभव है।अस्पतालों

में न तो मरीजों की सही जांच होती है और न ही कोई गंभीर उपचार। औपचारिक इलाज दिखाकर आयुष्मान कार्ड से लाखों रुपए निकाल लिए जाते हैं। मरीजों को न समुचित दवा मिलती है और न ही सम्मानजनक सुविधाएं।ग्रामीणों का आरोप है कि जैसे ही आयुष्मान कार्ड की तय राशि पूरी हो जाती है, वैसे ही मरीजों को बिना पूरी तरह स्वस्थ किए अस्पताल से बाहर कर दिया जाता है। न आगे के इलाज की व्यवस्था, न फॉलो-अप, न कोई जवाबदेही।

बस हादसे ने खोली सच्चाई

शहपुरा क्षेत्र राछो घाट के पास हुई बस दुर्घटना ने इस पूरे नेटवर्क की परतें खोल दीं। हादसे में घायल ग्रामीणों ने बताया कि बस में कोई भी गंभीर मरीज नहीं था। सभी सामान्य बीमारी के शिकार थे, जिन्हें जबरन इलाज के नाम पर ले जाया जा रहा था।सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह गोरखधंधा वर्षों से चल रहा है, फिर भी अब तक जिम्मेदार विभाग और प्रशासन आंख मूंदे क्यों बैठे रहे?एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा के बयान के बाद अब जिला कलेक्टर ने भी जांच शुरू करने की बात कही है।

5 सौ दीक्षित शिष्यों सहित 11 हजार लोग विशेष रूप से हुए शामिल

छतरपुर। सिद्ध पीठ बागेश्वर धाम में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शनिवार को श्री सत्यनारायण की कथा श्रवण करने का हजारों लोगों को पुण्य फल प्राप्त हुआ। बागेश्वर महाराज ने कथा सुनाते हुए कहा कि जीत का संबंध भीड़ से नहीं बल्कि भगवान से है। उन्होंने कहा कि महाभारत में एक तरफ लाखों की संख्या में सेना थी तो वहीं दूसरी तरफ भगवान के आश्रित पांच पांडव थे। परिणाम स्वरूप पांच पांडवों की विजय हुई। इस कथा में 500 दीक्षित शिष्यों के अलावा करीब 11हजार अन्य भक्तगण शामिल हुए। बागेश्वर धाम में शाम को प्रेत दरबार लगाए जाने के बाद 50 हजार स्क्वायर फीट में बने टीन शेड के नीचे श्री सत्यनारायण कथा का आयोजन हुआ। बागेश्वर धाम पीठाधीश पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के मुखारविंद से पावन कथा श्रवण करने का मौका मिला। शायद यह हिंदुस्तान का पहला अवसर होगा जहां हजारों की संख्या में एक साथ लोगों ने श्री सत्यनारायण कथा का श्रवण किया हो। हाथ में अक्षत पुष्प लेकर सभी को कथा का संकल्प दिलाया गया। बागेश्वर महाराज ने सत्यनारायण व्रत कथा का वाचन करते हुए कहा कि यह ऐसी कथा है जो लोगों की व्यथा हरती है। महाराज श्री ने कहा कि श्री सत्यनारायण की कथा सुनने का अवसर बनाए रखना चाहिए। घर की किसी भी उत्साह पूर्ण गतिविधि में कथा आवश्यक रूप से श्रवण करना चाहिए। इस अवसर पर काशी विश्वनाथ के प्रधान पुजारी श्रीकांत मिश्रा परिवार सहित पधारे। वही सलिल कृष्ण भी कथा में उपस्थित हुए।

82 साल की आदिवासी महिला ने लगाया पड़ोसी युवक पर दुष्कर्म का आरोप

रीवा। जिले के सिरमौर थाना क्षेत्र अंतर्गत 82 साल की आदिवासी बुजुर्ग महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बुजुर्ग महिला का आरोप है कि पड़ोस में ही रहने वाले एक युवक ने रात के अंधेरे में उसे घर में अकेले पाकर। उसका गला दबाया फिर दुष्कर्म की घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया।

साल की बुजुर्ग आदिवासी महिला ने, पड़ोस में रहने वाले सुग्गा साकेत नामक युवक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। बुजुर्ग

पीड़ित बुजुर्ग ने इसकी शिकायत थाने में की थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई, जिसके बाद बुजुर्ग महिला शनिवार को महिला थाने पहुंची और इसकी शिकायत की। सिरमौर थाना क्षेत्र का है, जहां रहने वाली एक 82 महिला का आरोप है कि जब वो रात में घर पर अकेली थी तभी पड़ोस में रहने वाला युवक घर में घुस गया और पहले तो उसने उसका गला दबाया फिर जब वो बेहोश हो गई तो इस घिनौनी वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया। बताया गया की पीड़ित बुजुर्ग महिला घर पर अकेली ही रहती है, और उसके परिवार के लोग मजदूरी करते है। घटना के बाद पीड़िता ने इसकी जानकारी परिजनों को दी, जिसके बाद परिजन बुजुर्ग पीड़ित महिला को लेकर सिरमौर थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। लेकिन सिरमौर थाने में उसकी एफआईआर दर्ज नहीं हो पाई, और न ही उसका मेडिकल हुआ। ऐसे में शनिवार को वो अपने परिजनों के साथ महिला थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। जिसके बाद मामला वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में आया और पीड़िता की एफआईआर महिला थाने में दर्ज की गई और उसका मेडिकल कराया गया। इस मामले को लेकर महिला थाना प्रभारी ने बताया कि घटना 10 दिसंबर की है। रिपोर्ट के आधार पर कायमी की गई है और मामले की जांच की जा रही है।

अनियंत्रित होकर पलटी यात्री बस, दर्जन से अधिक लोग घायल

छतरपुर। जिले के बमीठा थाना क्षेत्र में रविवार को यात्रियों से भरी एक निजी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। खजुराहो रेलवे स्टेशन से पन्ना की ओर जा रही यह बस चंद्रनगर नहर के समीप दुर्घटना का शिकार हुई। हादसे के वक्त बस में क्षमता से अधिक सवारियां भरी हुई थीं और वाहन की गति भी काफी तेज बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर घायलों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया। चंद्रनगर नहर के पास प्राची कोच बस अचानक चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई और सड़क किनारे पलट गई।

बरमान मेले की तैयारियों का लिया जायजा

दुकानदार व अन्य लोगों को दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले मे लगने वाले ऐतिहासिक मेले को लेकर प्रशासन पूरी तरह चैकन्ना बना हुआ है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सुरक्षा व बचाव के लिए स्थानीय लोगों तथा दुकानदारों को प्रशिक्षण देकर दुर्घटना से बचाव के उपाय से अवगत कराया गया। नर्मदा तट पर लगने वाले आगामी बरमान मेले को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए भरोसेमंद बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने तैयारियों को तेज कर दिया है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए इस बार प्रशासन किसी भी तरह की चूक नहीं छोड़ना चाहता। इसी कड़ी में कलेक्टर के निर्देशानुसार बरमान रेतघाट क्षेत्र में संचालित भोजनालयों, दुकानों और नाव संचालन से जुड़े लोगों को सुरक्षा संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया साथ ही स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए।

आग से बचाव पर विशेष नजर

रेत घाट क्षेत्र में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आग से बचाव को विशेष रूप से केंद्र में रखा गया। भोजनालयों और दुकानों में गैस सिलेंडर, चूल्हे और अन्य ज्वलनशील सामग्री के उपयोग को देखते हुए आग लगने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्लाटून कमांडर होमगार्ड वीरेंद्र सूर्यवंशी, हवलदार अनुदेशक सुन्दर उईकार एवं उनकी टीम ने दुकानदारों को आग के विभिन्न प्रकारों की जानकारी दी और बताया कि किस स्थिति में किस तरह की अग्निशमन तकनीक अपनाई जानी चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग की जानकारी देते हुए उसकी मैथड को व्यवहारिक रूप से समझाया गया। टीम ने बताया कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय सही तकनीक अपनाकर आग पर काबू पाया जा सकता है। इसके साथ ही गैस सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में त्वरित और सुरक्षित कार्रवाई के तरीकों का भी प्रदर्शन किया गया। जिससे दुकानदार आपात स्थिति में सही निर्णय ले सकें।

नाविकों को दिए सुरक्षा के निर्देश

इसी क्रम में नर्मदा तट पर नाव संचालन से जुड़े नाविकों को भी सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मेले के दौरान जीवन रक्षक जैकेट और लाइफ रिंग का उपयोग अनिवार्य रहेगा। नाविकों को बताया गया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा उनकी पहली जिम्मेदारी है और नियमों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि बरमान मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि आस्था और विश्वास का बड़ा केंद्र है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

चौरई पुलिस ने की बड़ी कार्यवाही, 10 जुआरियों को किया गिरफ्तार

जुआरियों से ताश के पत्तों सहित जब्त किए 1 लाख 12 हजार रूपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौरई

पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डेय व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष खरे द्वारा अवैध रूप से अवैध गतिविधियो में संलिप्त व्यक्तियो के विरूध्द कार्यवाही करने के दिशा निर्देश दिये गये है।

इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) चौरई भारती जाट के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चौरई मोहन सिंह मर्सकोले के नेतृत्व में पुलिस टीम के द्वारा रविवार के रात्रि में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कलकोटी में जुआ चल रहा है कि सूचना पर पुलिस टीम के द्वारा रेड कार्यवाही की गयी जो मौके पर आरोपी राजा वर्मा, छोटो वर्मा, अस्फाक खान, सुशील वर्मा, प्रदीप तिवारी, हरलाल उईके, महेन्द्र बंदेवार, रामकुमार यादव, सुनील सोनी, दिनेश वर्मा मिले जिनसे 52 ताश के पत्ते एवं नगदी 1,12,000 रूपये जप्त किया गया है।

सभी आरोपियो के विरूध्द अप.क्र. 13/26 धारा 13 जुआ एक्ट का प्रकरण पंजीबध्द किया गया है। सभी आरोपियो के विरूध्द धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की गयी है।

गिरफ्तार आरोपी

1. राजा वर्मा पिता भागलाल वर्मा उम्र 21 साल निवासी कलकोटी
2. छोटो पिता भोजे वर्मा उम्र 52 साल निवासी लोहारा
3. अस्फाक पिता हसीब खान उम्र 48 साल निवासी चौरई
4. सुशील पिता देवीलाल वर्मा उम्र 25 साल निवासी कलकोटी
5. प्रदीप पिता देवेन्द्र तिवारी उम्र 33 साल निवासी चौरई
6. हरलाल पिता उमेराम उईके उम्र 24 साल निवासी कलकोटी
7. महेन्द्र पिता महालाल बंदेवार उम्र 29 साल निवासी कलकोटी
8. रामकुमार पिता अमित यादव उम्र 32 साल निवासी चौरई
9. सुनील पिता भवानी प्रसाद सोनी उम्र 37 साल निवासी देवरीकला
10. दिनेश पिता शंभू वर्मा उम्र 28 साल निवासी कलकोटी

1. 52 ताश के पत्ते

जप्त संपति

2. नगदी 1,12,000 रूपये

महत्वपूर्ण भूमिका - निरीक्षक मोहन सिंह मर्सकोले, प्र.आर.696 गोपाल साहू, राजू भारती, राजपाल बघेल,रोहित ठाकुर, राजेश सनोडिया की सराहनीय भूमिका रही।

इस साल लार्ज-कैप पर फोकस करें व सेक्टर चयन में बरतें समझदारी

▶▶ स्मार्ट निवेशकों को 2026 के लिए निवेश के टिप हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप सबसे बेस्ट

▶▶ 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा, इसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता
▶▶ बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ सेक्टर रहेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेश के नजरिये से देखा जाए तो वर्ष 2025 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साल रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स ने जहां निवेशकों को निराश किया, वहीं लार्ज कैप फंड्स ने फायदा पहुंचाया है। अब बाजार के जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 के लिए निवेशकों निवेश के लिए धैर्य के साथ बेहतर रणनीति बनानी होगी, ताकि उनकी ग्रोथ बरकरार रह सके। अब 2026 में महंगाई के नियंत्रण में रहने, ब्याज दरों में संभावित कटौती और भू-राजनीतिक जोखिमों के धीरे-धीरे कम होने से बाजार के माहौल में सुधार की उम्मीद है। जानकारों ने 2026 में लार्ज-कैप शेयरों पर फोकस करने की सलाह है। हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता, बेहतर बैलेंस शीट और मजबूत अर्निंग हासिल करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पोर्टफोलियो का लगभग 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा. मिड और स्मॉल-कैप में अवसर हैं, लेकिन केवल चुनिंदा और मजबूत कंपनियों में ही निवेश करना चाहिए। बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ के सेक्टर रहेंगे। ऐसे में इन सेक्टरों पर निवेश के लिए फोकस किया जा सकता है।

यह वर्ष सावधानी के साथ अवसर वाला

नए साल की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए ज्यादा बैलेंस और उम्मीदों से भरी दिख रही है। 2025 में ग्लोबल टेंशन, हाई वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी से टिका रहा। यह साल "सावधानी के साथ अवसर" वाला माना जा सकता है। एक ब्रोकरेज हाउस ने 2026 की इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि निवेशकों को लार्ज कैप फंड्स पर फोकस करना चाहिए, चूंकि लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता प्रदान करती हैं।

निवेश के लिए यह दी सलाह

ब्रोकरेज हाउस ने गोल्ड और सिल्वर में एलोकेशन घटाकर 5 फीसदी और डेट कैटेगरी (बॉन्ड/फिक्स्ड इनकम) में 10 फीसदी करने की सलाह दी है, ताकि स्थिरता और जोखिम संतुलन बना रहे। जैसे-जैसे वैश्विक जोखिम कम होंगे, इक्विटी की ओर झुकाव बढ़ेगा। निवेशक 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखें। इसके अलावा गोल्ड, सिल्वर में 5% और डेट कैटेगरी में 10% निवेश की सलाह दी जाती है। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस रहेगा और निवेश में मुनाफा होगा, नुकसान नहीं।

इन सेक्टर पर करें फोकस

सेक्टर लेवल पर, बैंकिंग और फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी 2026 के प्रमुख ग्रोथ सेक्टर माने गए हैं। ब्याज दरों में कटौती से बैंकों को क्रेडिट ग्रोथ का फायदा मिलेगा, जबकि सरकारी कैपेक्स और निजी निवेश में सुधार से इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को सपोर्ट मिलेगा। टैक्स राहत, कम महंगाई और 8वें वेतन आयोग जैसी उम्मीदों से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है।

टिकाऊ ग्रोथ वाला साल

कुल मिलाकर, 2026 को "धीरे लेकिन टिकाऊ ग्रोथ" का साल माना जा रहा है। निफ्टी-50 के लिए दिसंबर 2026 तक लगभग 29,150 का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 12% सालाना रिटर्न का संकेत देता है। हालांकि हाई वैल्यूएशन, विदेशी निवेशकों की वापसी में देरी और वैश्विक घटनाक्रम जोखिम बने रहेंगे। इसलिए 2026 की सबसे अच्छी निवेश रणनीति होगी-लार्ज-कैप पर फोकस, सेक्टर चयन में समझदारी, और डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो के साथ धैर्य।

क्या हैं लार्जकैप फंड्स

लार्ज-कैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनकी मार्केट कैपिटलाइजेशन 20,000 करोड़ रुपये से अधिक होती है। ये फंड्स स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाने जाते हैं, जो उन्हें लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

टॉप लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड्स

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 27% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%
- इन्वेस्को इंडिया लार्जकैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 22% और 10-वर्षीय रिटर्न 15%
- टाटा लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 21% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%

लार्ज-कैप फंड्स के फायदे

- स्थिरता और कम जोखिम
- लंबी अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त
- अनुभवी फंड मैनेजर्स द्वारा प्रबंधित
- विविध पोर्टफोलियो

बिना बिल घर में रख सकते हैं कितना सोना, समझ लें नियम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

■ शादी, विरासत और गिफ्ट में मिले गोल्ड पर ऐसे है टैक्स के नियम
■ अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत बताए

भारत में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है। इसका मतलब है कई पारिवारिक कार्यक्रम और साथ ही घरों में लॉकर से सोना निकालकर दुल्हन के गहनों में शामिल किया जाना। आम धारणा के उलट, भारत में किसी व्यक्ति या परिवार के पास सोने की मात्रा पर कोई कानूनी सीमा नहीं है। शर्त सिर्फ यह है कि सोना खरीदने या पाने का स्रोत बताया जा सके। ज्यादातर लोग जिन सीमाओं का जिक्र करते हैं, वे सीबीडीटी (सीबीडीटी) की नॉन-सीजर गाइडलाइंस से जुड़ी हैं। ये गाइडलाइंस आयकर विभाग की तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान लागू होते हैं। ये सोना रखने की सीमा नहीं हैं, बल्कि वह मात्रा है, जिनके भीतर होने पर, दस्तावेज न होने की स्थिति में भी आमतौर पर गहने जब्त नहीं किए जाते।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट के अनुसार आज के समय में इसका मतलब रुपये के लिहाज से क्या होता है। एक सामान्य परिवार, जिसमें पति, पत्नी और एक अविवाहित बेटी शामिल हों, उसके लिए कानूनी रूप से स्वीकार्य सोने की मात्रा इस प्रकार है। पत्नी 500 ग्राम, पति 100 ग्राम, बेटी 250 ग्राम। इस तरह कुल सोना 850 ग्राम होता है।

ये बातें नजरअंदाज न करें

ये लचीले नियम सिर्फ व्यक्तिगत और घरेलू इस्तेमाल के गहनों पर लागू होते हैं, न कि इन मामलों में निवेश के तौर पर जमा किया गया सोना, बड़ी मात्रा में रखे गए बुलियन, सिक्के या सोने की ईंटें, बिना वित्तीय स्रोत बताए ट्रेडिंग या सट्टे के लिए जमा किया गया सोना अगर सोने की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और उसका स्रोत नहीं बताया जा सकता, तो अतिरिक्त सोना अघोषित निवेश माना जा सकता है। ऐसे में भारी टैक्स और जुर्माना लगाया जा सकता है।

कितना सोना रखना कानूनी रूप से सही

अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत समझा सकता है, तो उन्हें रखने पर कोई पाबंदी नहीं है। इसमें विरासत में मिला सोना भी शामिल है। हालांकि, एक तय मात्रा तक सोना रखने के लिए स्रोत बताने की जरूरत नहीं होती।" विवाहित महिला 500 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है, अविवाहित महिला 250 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है। वहीं, पुरुष 100 ग्राम तक सोने के गहने रख सकते हैं। हिंदू अविभाजित परिवार सोने की मात्रा का आकलन परिवार की आय और सामाजिक स्थिति के आधार पर किया जाता है, इसके लिए कोई तय सीमा नहीं है। ये सीमाएं भारतीय सामाजिक परंपराओं- जैसे शादी, विरासत और पारिवारिक उपहार- को ध्यान में रखकर तय की गई हैं और इन्हें घरों में रखे जाने वाले सोने की उचित मात्रा माना जाता है। ये तय सीमाएं केवल उसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों पर लागू होती हैं, जिसके खिलाफ आयकर विभाग की तलाशी (टैक्स सर्च) की कार्रवाई की जाती है। यदि तलाशी के दौरान परिवार के सदस्यों के अलावा किसी और के आभूषण पाए जाते हैं, तो उन्हें कर अधिकारियों द्वारा जब्त किया जा सकता है।

यह स्पष्टता क्यों जरूरी

यह अंतर परिवारों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इससे टैक्स सर्च के दौरान बेवजह की घबराहट से बचाव होता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहनों के महत्व को मान्यता मिलती है। वैध घरेलू संपत्ति और अघोषित आय के बीच साफ फर्क किया जा सकता है। गलत जानकारी के कारण होने वाली महंगी कानूनी या अनुपालन संबंधी गलतियों से बचाव होता है। अधिकांश गलतियां दो छोरों पर होती हैं या तो लोग मान लेते हैं कि बिना बिल का कोई भी सोना अवैध है, या फिर बड़ी मात्रा में रखे गए, बिना स्रोत बताए गए सोने के लिए जरूरी दस्तावेजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं। यदि कोई व्यक्ति वर्षों में घोषित आय से खरीदे गए सोने का स्रोत साबित कर सकता है, तो वह कितनी भी मात्रा में सोना रख सकता है। इसी तरह, उपहार या विरासत में मिले सोने के मामले में भी संबंधित बिल, वसीयत, डीड या अन्य दस्तावेज होने चाहिए।

चांदी में 2026 में भी बड़ी संभावनाएं लेकिन संभलकर करना होगा निवेश

●बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश हो सकता है रिस्की ●अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव●एमसीएक्स पर डेढ़ माह में चांदी करीब 50% तक उछली

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले डेढ़ महीने में चांदी ने जो रफ्तार दिखाई है, उसने निवेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान एमसीएक्स पर चांदी करीब 50% तक उछल चुकी है और अब सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ एक तेज रैली है या इसके पीछे कोई गहरी वजह छिपी है? हकीकत यह है कि यह उछाल अफवाहों या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चांदी की भूमिका में आए बड़े बदलाव का संकेत है। फिलहाल इस सुपर रैली के बाद निवेशकों को चांदी में क्या करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि चांदी 2026 में भी निवेशकों की चांदी करवाएगी, लेकिन इसके लिए लोगों को संभलकर निवेश करना होगा और रणनीति बनानी होगी, ताकि बाद में पछताना न पड़े। सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी की भूमिका वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है। यह निवेशकों को मालामाल कर सकती है।

चांदी की भूमिका में बड़ा बदलाव

जानकारों का कहना है कि कई सालों तक चांदी को या तो गहनों के लिस मेटल माना गया या फिर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला मेटल, लेकिन अब यह सोच बदल चुकी है। आज चांदी रणनीतिक इंडस्ट्रियल मेटल बन चुकी है। रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिफिकेशन, डिजिटल इकॉनमी और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों ने चांदी को उत्पादन के लिए अनिवार्य बना दिया है। यही वजह है कि इसकी मांग अब अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी बनती जा रही है।

इंडस्ट्रियल डिमांड क्यों है मजबूत

चांदी की सबसे बड़ी ताकत है इसकी बेहतरीन इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, जो इसे सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, पावर ग्रिड और डिफेंस सिस्टम्स में बेहद जरूरी बनाती है। इन क्षेत्रों में कीमत से ज्यादा भरोसे और प्रदर्शन को अहमियत दी जाती है। इसका मतलब यह है कि दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियां चांदी खरीदना बंद नहीं कर सकतीं। इसी वजह से चांदी की मांग अब प्राइस इनेलास्टिक हो गई है और गिरावट पर तुरंत सपोर्ट देखने को मिलता है।

ये रैली, पिछली रैलियों से क्यों अलग

लंबे समय तक चांदी की कीमतें फ्यूचर्स और पेपर ट्रेडिंग से तय होती रहीं, लेकिन जैसे ही ग्लोबल स्तर पर दाम संवेदनशील स्तरों तक पहुंचे, फिजिकल उपलब्धता का सवाल खड़ा हो गया। सप्लाई टाइट हुई, सेलर्स पीछे हटे और खरीदार मजबूर होकर ऊंचे दाम पर खरीदने लगे. नतीजा तेज सिंगल-डे मूव्स और लगातार ऊंची क्लोजिंग, जो यह दिखाते हैं कि बाजार अब राय नहीं, बल्कि हकीकत के आधार पर कीमत तय कर रहा है। आगे चलकर चांदी में संभावनाएं बनी हुई हैं। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की कमी बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90-100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है, लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि चांदी बेहद अस्थिर (वोलेटाइल) कमोडिटी है। 1980 और 2011 की तरह तेज रैली के बाद गहरी गिरावट भी आ सकती है। लंबे समय में 40 डॉलर प्रति औंस एक अहम सपोर्ट जोन माना जाता है। इसलिए चांदी में निवेश मौका जरूर है, लेकिन बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश रिस्की हो सकता है।

चांदी में निवेश के विकल्प

- **फिजिकल चांदी :** आप बाजार से चांदी के सिक्के, गहने या बार खरीद सकते हैं। इसमें चोरी या शुद्धता की चिंता रहती है, इसलिए बीआईएस हॉलमार्क्ड चांदी ही खरीदना चाहिए।
- **सिल्वर ईटीएफ :** ये एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों पर आधारित है। इसमें पैसा चांदी की कीमत के हिसाब से बढ़ता-घटता है। ये स्टॉक एक्सचेंज पर शेयरों की तरह ट्रेड होते हैं।
- **म्यूचुअल फंड्स :** चांदी से जुड़े म्यूचुअल फंड्स भी अच्छे विकल्प हैं। कमोडिटी फंड, खनन कंपनियों के शेयर और एमसीएक्स फ्यूचर्स-ऑप्शन्स भी विकल्प हैं।
- सोवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की तरह सिल्वर बॉन्ड : सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं, जो चांदी की कीमतों से जुड़े होते हैं।
- **चांदी के शेयर :** चांदी की खनन करने वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं, जैसे कि फर्स्ट मैजेस्टिक सिल्वर कॉर्प, पैन अमेरिकन सिल्वर कॉर्प और एंडेवर सिल्वर कॉर्प।

अलर्ट हर व्यक्ति कमाई को सही तरीके से निवेश कर बन सकता है मजबूत

बचत करने के लिए स्पष्ट योजना बनाएं और भविष्य को सुरक्षित करें

मनी मैनेजमेंट के टिप्स अपनाएं जेब कभी भी नहीं होगी खाली, सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें

समझदारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में बहुत से लोग अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन हर महीने यह महसूस करते हैं कि पैसा जैसे जेब से गायब हो जाता है। उनके पास कोई स्पष्ट योजना नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है और आखिर बचत कैसे करनी चाहिए। यह समस्या आज के समय में लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई लोग सही तरीके से पैसे को मैनेज नहीं करते, जिसकी वजह से ठीक-ठाक कमाई होने के बावजूद आर्थिक तनाव बना रहता है। अधिकतर लोगों में यही गलती रहती है कि वो कमाते तो ठीक-ठाक हैं, लेकिन पैसों को संभालने का कोई सिस्टम नहीं बनाते। इससे हर महीने के अंत में पैसे के मामले में निराशा होती है। अगर सही मनी मैनेजमेंट टिप्स अपनाए जाएं, तो कमाई को सही दिशा में लगाया जा सकता है और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको सही मनी मैनेजमेंट के गुर सिखाएंगे।

खर्च करने से पहले बचत को ऑटोमैटिक बनाएं

पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें। ज्यादातर लोग महीने का पूरा बजट बनाने के बजाय जितना बचेगा उतना बचत में डालते हैं, लेकिन यह तरीका अक्सर काम नहीं करता।

उनका सुझाव है कि महीने के पहले दिन ही अपने अकाउंट से एक तय रकम ऑटोमैटिक ट्रांसफर करें। यह रकम बचत खाते या निवेश खाते में जा सकती है। इससे न सिर्फ बचत हो जाएगी, बल्कि मन में पैसों को लेकर तनाव भी कम होगा। ऑटोमैटिक बचत करने वाले लोग महीने के अंत में पैसे के मामले में ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं और बड़े खर्चों के लिए भी तैयार रहते हैं।

हर खर्च को ऐप में ट्रैक करें

दूसरा टिप है बजटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करना। कई लोग खर्च सिर्फ याद्दाश्त या नोटबुक पर रखते हैं, लेकिन इस तरह उनका सही हिसाब नहीं बन पाता। बजटिंग ऐप्स के माध्यम से हर छोटा-बड़ा खर्च रिकॉर्ड करें। जब लोग हर खर्च को ऐप में नोट करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि पैसा वास्तव में कहां जा रहा है। छोटे-छोटे खर्च जैसे कैफे में कॉफी, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन या अनावश्यक शॉपिंग मिलकर बड़ी रकम बनाते हैं।" ऐप्स आपको खर्च के हिसाब से रिपोर्ट भी देते हैं, जिससे पता चलता है कि किस जगह से बचत की जा सकती है।

कैशबैक और रिवॉर्ड्स से स्मार्ट कमाई करें

तीसरा टिप है कैशबैक और रिवॉर्ड। आजकल लगभग हर बैंक, क्रेडिट कार्ड और पेमेंट ऐप में रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक और रेफरल बोनस होते हैं। छोटे-छोटे ऑफर्स को इग्नोर करने से आप अपनी कमाई का हिस्सा गंवा सकते हैं। यूपीआई ऑफर्स, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स और रेफरल बोनस को जोड़कर देखें, तो सालाना लाखों रुपये तक की बचत या स्मार्ट रिटर्न संभव है। यह तकनीक केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो बड़ी कमाई करते हैं, बल्कि छोटे खर्च वाले लोग भी इसका फायदा उठा सकते हैं।

दोस्तों के साथ खर्च बांटें, बोझ न लें

कई बार लोग पूरी बिलिंग खुद उठाते हैं, चाहे वह डिनर हो, मूवी टिकट हों या ट्रिप का खर्च। चौथा टिप है कि खर्च को आपस में शेयर करें। आजकल कई ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऐसे हैं जो दोस्तों के साथ खर्च बांटना आसान बनाते हैं। जब आप खर्च शेयर करते हैं, तो न केवल आपकी जेब पर बोझ कम होता है, बल्कि पैसे के इस्तेमाल का हिसाब भी साफ रहता है। इससे अनावश्यक उधारी लेने की जरूरत भी नहीं पड़ती।"

पैसे के लिए सिस्टम बनाएं, तनाव खुद कम होगा

छठा और अंतिम टिप यह है कि पैसे के लिए सिस्टम बनाएं। जब हर महीने का खर्च, बचत और निवेश तय सिस्टम के अनुसार होता है, तो मानसिक तनाव अपने आप कम हो जाता है। कई लोग पैसों के मामले में तनाव में रहते हैं, लेकिन जब एक साधारण सिस्टम अपनाया जाता है, जैसे ऑटो सेविंग, खर्च ट्रैक करना और निवेश करना, तो चिंता अपने आप कम हो जाती है। यह तरीका मानसिक शांति के साथ-साथ आर्थिक मजबूती भी देता है।

छोटी बचत को लंबी निवेश आदत बनाएं

पांचवां टिप है एसआईपी या लंबी अवधि के निवेश में छोटी बचत को बदलना। अक्सर लोग सोचते हैं कि सिर्फ बड़ी रकम का निवेश करना ही फायदा देगा, लेकिन बाजार के जानकारों का कहना है कि छोटी रकम भी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएट कर सकती है। वो कहते हैं सिर्फ 500 रुपये महीना भी एसआईपी में निवेश करके 10-15 साल में अच्छी राशि जमा की जा सकती है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आदत बन जाती है और नियमित निवेश से वित्तीय सुरक्षा मिलती है।